झारखंड का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

जमशेदपुर | रांची | पटना | धनबाद | देवघर | कोलकाता | सिलीगुड़ी | मुजफ्फरपुर | भागलपुर | गया से प्रकाशित

मंथन . अमेरिकन कांसुलेट ने आइएसीसी एक्जीक्यूटिव के साथ की मीटिंग

भारत व अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध और बेहतर होंगे : पैटी हॉफमैन

मुख्य संवाददाता ▷ जमशेदपुर

अमेरिकन कांसुलेट जनरल (कोलकाता) पैटी हॉफमैन ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड का पुराना संबंध भविष्य और बेहतर होंगे. यह बातें सोमवार को पैटी हॉफमैन ने होटल अल्कोर में आयोजित इंडो अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स (आइएसीसी) की एक्जीक्यूटिव के साथ मीटिंग को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि कही. पैटी हॉफमैन ने कहा कि हमारा प्रयास है कि भारतीय निवेशकों को समय पर सही जानकारी मिले. कहा कि मानव तस्करी एक समस्या है. खासकर इस क्षेत्र में अब कंपनियों को जागरूकता लाने की जरूरत है. मेरा सुझाव है कि भारतीय कंपनियों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए. अमेरिका में मानव तस्करी को रोकने के लिए ठोस कदम उठाये जा रहे हैं. अमेरिका में 18 फीसदी स्टूटेंड भारतीय हैं. वहां अध्ययन के बेहतर इंतजाम हैं. दूसरे क्षेत्रों में भी अमेरिका में तेजी से काम हो रहा है. आदित्यपुर रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड कंपनी के मालिक एमपी जालान ने फोर्जिंग उद्योग के साथ अपनी कंपनी की शुरूआत 1981 से करने के बाद अब तक किये कार्यों की विस्तार से जानकारी दी और कंपनी के लक्ष्य की भी जानकारी दी. उन्होंने दुगनी में नये प्लांट लगाने की भी जानकारी दी. साथ ही उन्होंने अमेरिकन कांसुलेट के समक्ष शॉर्ट टर्म वीजा की मांग की. साथ ही शॉर्ट वीजा नहीं मिलने से उद्यमियों के परेशानी से अवगत भी कराया. इंडो अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स की मीटिंग को जमशेदपुर चैप्टर के हेड दिनेश अग्रवाल ने भी संबोधित किया. इस मौके पर इंडो अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स जमशेदपुर चेंबर के वरीय पदाधिकारी एके श्रीवास्तव, रोनाल्ड डिकोस्टा, वरुण बनर्जी के अलावा झारखंड के प्रमुख उद्यमी एसके बेहरा, सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अशोक भालोटिया समेत इंडो अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य मौजूद थे.

आज कंपनियों का दौरा करेंगी अमेरिकी कांसुलेट जनरल
मंगलवार को अमेरिकी कांसुलेट जनरल पैटी हॉफमैन टाटा मोटर्स, टाटा टिमकेन, टाटा कमिंस समेत अन्य कंपनियों का दौरा करेंगी.

अमेरिकन कांसुलेट ने यह भी कहा

- मानव तस्करी के क्षेत्र मे जागरूकता लाने की जरूरत है, भारतीय कंपनियों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए, अमेरिका में मानव तस्करी को रोकने के लिए व्याप्त व ठोस कदम उठाये जा रहे हैं.
- अमेरिका मे 18 फीसदी स्टूटेंड भारतीय हैं, वहां अध्ययन के बेहतर इंतजाम है. ना केवल अध्ययन, बल्कि दूसरे क्षेत्रों मे भी अमेरिका मे तेजी से आगे काम कर रहा है.

Scanned by CamScanner